

## वाहन समस्या

1. आज हमारे भारत मे । वाहनों की संख्या । दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है ।
2. कितनी भी रोडें । चौड़ी करवा दें । फिर भी । ट्रैफिक की समस्या । दिनों दिन और विकराल होती जा रही है ।
3. क्योकी । एक आदमी । कई कई वाहन रखता है । और वाहन रखने मे कोई रोक टोक भी नहीं है ।
1. एक वाहन बनाने वाला कारखाना । हर साल लाखों वाहन । बना कर बेंच देता है ।
2. एक कारखाने के । हर साल । नये लाखों वाहन । रोड पर आते है
3. ऐसे वाहन बनाने के । कई कारखाने है । जो हर साल । लाखों वाहन । बना कर बेंच देते है ।
4. और हर साल । कई लाख । नये वाहन । रोड पर आ जाते है ।
5. और । एक वाहन । 10 15 वर्ष आराम से । सडक पर । चलता है
6. तो ट्रैफिक की समस्या । दिनों दिन और भी । विकराल होना । लाजिमि है ।
7. अगर । इस वाहन की । समस्या को । अभी काबू मे नहीं किया गया । तो आगे भविष्य मे । वाहन खडा करने के लिए । धरती पर । जगह नहीं बचेगी ।
8. इसीलिए । इस वाहन समस्या को । जल्दी से जल्दी काबू मे करना । अति आवश्यक है ।

## जीसियो नियम से समाधान उपाय पी कार्ड अंकित वाहन

1. पी कार्ड धारक । भारतीय पुरुष पी कार्ड अंकित । 1 वाहन से अधिक नहीं रख सकता ।

- पी कार्ड धारक । भारतीय स्त्री । यदि अकेली बिना पती के रहती है । तो पी कार्ड अंकित । 1 वाहन से अधिक नहीं रख सकती ।

### बी कार्ड अंकित वाहन से सार्वजनिक यातायात का ब्यापार

- बी कार्ड धारक । सार्वजनिक यातायात । ट्रान्सपोर्ट का व्यापार करने वाले व्यक्ति को । जन सेवा । देश सेवा । के लिए वाहन रखने पर पाबंदी नहीं है ।
- बी कार्ड धारक सार्वजनिक यातायात ट्रान्सपोर्ट का व्यापार करने वाले व्यक्ति । जन सेवा । देश सेवा । के लिए कितने भी । सार्वजनिक यातायात ट्रान्सपोर्ट वाहन रख कर । जन सेवा । देश सेवा । कर सकता है ।

### सरकारी विभाग के एन कार्ड अंकित वाहन

- सरकारी विभाग के एन कार्ड में । अधिक से अधिक 2 वाहन ही रखे जा सकते हैं ।
- सरकारी विभाग के कर्मचारी । अपने खुद के । पी कार्ड अंकित वाहन । सरकारी काम के उपयोग में ला सकते हैं । जिसके । आयल । डीजल । पेट्रोल का खर्चा । सरकारी विभाग के एन कार्ड से मिलेगा ।

### के कार्ड अंकित वाहन धारक किन्नर

- के कार्ड धारक । सरकारी मदद भूमी । 1 किचेन । 1 बेड रूम । 1 हाल । 1 बाथरूम का 400 स्क्वायर फिट के घर में । रहने वाले । 2 य 4 किन्नर । के कार्ड अंकित । 1 वाहन से अधिक नहीं रख सकते ।

जय विश्व अग्रणी भारत की